EXTENSION ACTIVITIES FOR SCHOOL CHILDREN

S.No.	Session	Date	Name of School	No. of Participants	Purpose
1	2017-18	8.07.2017	St. Xavier School, Durg	110	Talk on environmental conservation
2	2017-18	15.09.2017	St. Xavier School, Durg	150	Popularization of Geology

St. Xavier's

St. XAVIER'S HIGH SCHOOL

BORSI – DHANORA ROAD, P.O. HAUNODA, DURG
PHONE: +91 788 232 5588, +91 788 645 0577

To,

Date : 06/07/2017

Mr. S.D. Deshmukh
Department of Geology,
Govt. V.Y.T. PG Autonomous College,
Durg

Respected Sir,

We cordially invite you as a Guest for the "Environment Day Celebration" to be held at our school. We will be highly grateful by your benign presence to motivate our children and grace this auspicious occasion.

Looking forward to your presence.

Date : 08/07/2017
Time : 9:30 A.M. onwards
Venue : St. Xavier's High School, Durg

With Regards

Bhaneyee
(PRINCIPAL)
St. Xavier's High School, Durg

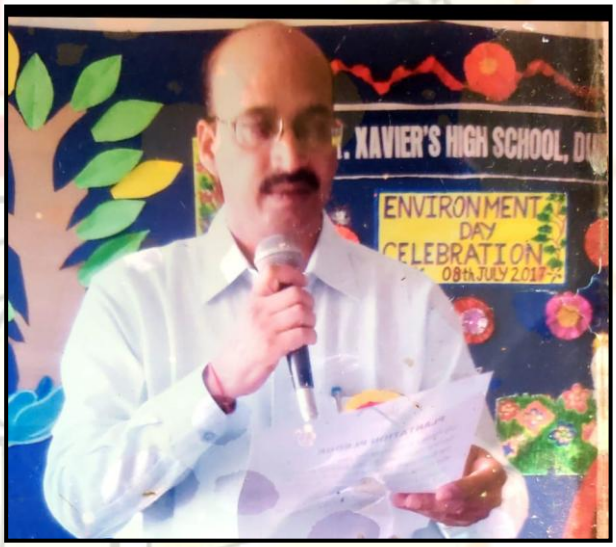

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

A talk on conservation of natural resources and environment was delivered by Dr. S. D. Deshmukh at St. Xavier's High School, Durg on 8.7.2017 .

The students of St. Xavier's High School, Durg visited Geology department on 15.09.2017. Dr. Prashant Shrivastava delivered a lecture on various branches of Geology. His talk was followed by a question- answer session.

साइंस कालेज करेगा शैक्षणिक संस्थानों का अकादमिक उन्नयन

दुर्ग, 15 सितंबर (देशबन्धु)। हमारे आसपास के शैक्षणिक संस्थानों का अकादमिक उन्नयन हमारा प्रमुख लक्ष्य है। हायर सेकेण्डरी स्तर के ऐसे स्कूल जहां प्रायोगिक सामग्री एवं उन्नत प्रयोगशालाओं का अभाव है। उन स्कूलों के छात्र-छात्राओं को साइंस कालेज दुर्ग की उन्नत एवं सर्वसुविधा युक्त प्रयोगशालाओं में विशेषज्ञ प्राध्यापक प्रायोगिक प्रशिक्षण देकर विषय के नवीनतम ज्ञान से अवगत कराने की पहल शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के द्वारा यूजीसी की सामाजिक सरोकार योजना के अंतर्गत आरंभ की गयी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. राजपूत ने बताया कि साधन विहीन हायर सेकेण्डरी स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रावीण्यता के आधार पर महाविद्यालय की प्रयोगशाला में प्रायोगिक कार्यों का प्रशिक्षण देने की योजना है। आज इसी योजना के प्रथम चरण में सेंट जेवियर्स स्कूल, धनोरा,

दुर्ग के हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी कक्षाओं के लगभग 150 विद्यार्थियों ने साइंस कालेज दुर्ग की प्रयोगशालाओं में दो दिनों तक विभिन्न विषयों के प्रायोगिक कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। →→ शेष पृष्ठ 9 पर →

साइंस कॉलेज दे रहा अपनी लैब में स्कूली बच्चों को ट्रेनिंग

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • महाविद्यालय के हीरक जयंती वर्ष में सामाजिक सरोकार का कार्य करते हुए दुर्ग साइंस कॉलेज ने अपनी सर्वसुविधायुक्त प्रयोगशालाओं में विशेषज्ञ प्राध्यापकों की देखरेख में स्कूली छात्रों को प्रशिक्षण दिया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके राजपूत ने बताया कि हम हायर सेकेण्डरी स्तर के ऐसे स्कूल जहां प्रायोगिक सामग्री एवं उन्नत प्रयोगशालाओं का अभाव है। ऐसे स्कूलों के बच्चों को लैब में ट्रेनिंग दे रहे हैं। पहले चरण में स्कूल के डेढ़ सौ से ज्यादा छात्रों ने लैब में दो दिनों तक प्रोफेसर के मार्गदर्शन में प्रायोगिक कार्य किया।

150 बच्चे हुए शामिल

पहली बार देखी इतनी बड़ी लैब

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने आए ग्रामीण अंचलों के बच्चों ने पहली बार इतनी बड़ी लैब और उसमें मौजूद सामग्री को देख वे आश्चर्यचकित रह गए। इसमें उन्हें गणित, विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भू-गर्भ शास्त्र आदि की प्रयोगशालाओं को देखने का मौका मिला।

इन्होंने दी ट्रेनिंग

लैब में गणित विभाग के डॉ. एमए सिद्दीकी, बायोटेक्नालॉजी के डॉ. अनिल, भूगोल विभाग में डॉ. रंजना शर्मा एवं डॉ. सुषमा यादव, प्राणीशास्त्र विभाग में डॉ. कीर्ति चौबे, डॉ. दिव्या मिंज, डॉ. नीरू अग्रवाल, डॉ. मौसमी डे, डॉ. संजू सिन्हा, डॉ. उषा साहू एवं डॉ. अल्का मिश्रा, भूगर्भशास्त्र विभाग में डॉ. एसडी. देशमुख, डॉ. प्रशान्त श्रीवास्तव, रसायन विभाग में डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. वीएस.गीते ने जानकारी दी। छात्रों ने भी कई प्रश्न पूछ कर जिज्ञासाओं का समाधान किया। वनस्पति शास्त्र विभाग में डॉ. रंजना श्रीवास्तव, डॉ. गायत्री पाण्डेय एवं डॉ. जी.एस.ठाकुर के नेतृत्व में विद्यार्थियों को पौधों की विभिन्न प्रजातियों की पहचान करने संबंधी विश्लेषण एवं औषधीय पौधों के महत्व की जानकारी दी गई।

स्कूलों के बच्चे करेंगे साइंस कॉलेज की प्रयोगशाला का उपयोग

दुर्ग. हमारे आसपास के शैक्षणिक संस्थानों का अकादमिक उन्नयन हमारा प्रमुख लक्ष्य है. हायर सेकेण्डरी स्तर के ऐसे स्कूल जहां प्रायोगिक सामग्री एवं उन्नत प्रयोगशालाओं का अभाव है. उन स्कूलों के छात्र-छात्राओं को साइंस कालेज की उन्नत

पहल

- आसपास के शैक्षणिक संस्थानों का अकादमिक उन्नयन हमारा लक्ष्य-डॉ. राजपूत

एवं सर्वसुविधा युक्त प्रयोगशालाओं में विशेषज्ञ प्राध्यापक प्रायोगिक प्रशिक्षण देकर विषय के नवीनतम ज्ञान से अवगत कराने की अभिनव पहल शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय द्वारा यूजीसी की सामाजिक सरोकार योजना के अंतर्गत आरंभ की गयी है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. राजपूत ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय की स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने पर मनाये जा रहे हीरक जयंती वर्ष के अंतर्गत अभाव ग्रस्त एवं साधन विहीन हायर सेकेण्डरी स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रावीण्यता के आधा[र] पर महाविद्यालय की प्रयोगशाला [में] प्रायोगिक कार्यो का प्रशिक्षण देने क[ी] योजना है. आज इसी योजना के प्रथ[म] चरण में सेंट जेवियर्स स्कूल, धनो[रा] के हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्ड[री] कक्षाओं के लगभग 150 विद्यार्थियों [ने] साइंस कालेज की प्रयोगशालाओं में [दो] दिनों तक विभिन्न विषयों के प्रायोगि[क] कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया.

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)